गन्ना किसानों का बकाया हुआ 12 हजार करोड़

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

- उत्तर प्रदेश के किसानों का सर्वाधिक 8000 करोड़ रुपये

गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर बकाया बढ़कर 12 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें से अकेले उत्तर प्रदेश के किसानों की हिस्सेदारी 8000 करोड़ रुपये है। चुनावी साल में गन्ना किसानों की यह बकाएदारी केंद्र व राज्य में सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के लिए भारी पड़ सकती है।

चीनी उद्योग के लिए मंजूर राहत पैकेज भी काम नहीं आया, जिससे मिलें भी नकदी संकट से हलकान हैं। उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर सर्वाधिक बकाया है। जबकि कर्नाटक का बकाया 3000 करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश के किसानों का पिछले साल का भी बकाया है। चीनी मिलों की हड़ताल के चलते पेराई सीजन देर से शुरु हुआ था, जिससे अगेती गन्ने की फसल से खेत खाली नहीं हो सका। लिहाजा गेहूं की पिछैती प्रजाति के गेहूं की बुवाई नहीं हो सकी है। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। पेराई तेज होने से चीनी का उत्पादन लगभग डेढ़ करोड़ टन हो गया है, लेकिन किसानों को उनके गन्ने का भुगतान न होने से बकाया लगातार बढ़ रहा है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक केंद्र सरकार के राहत पैकेज से कोई फायदा नहीं मिल पाया है। इसके चलते किसानों का कुल बकाया 12 हजार करोड़ हो गया है। इस्मा के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने बताया कि प्रदेश के किसानों की बकाएदारी 31 मार्च तक बढ़कर 13 हजार करोड़ रुपये हो जाएगी। केंद्र सरकार ने मिलों की मुश्किलों को सुलझाने के लिए 6600 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। लेकिन इस राहत पैकेज का लाभ मिलों को नहीं मिल पा रहा है। कच्ची चीनी का उत्पादन करने वाली मिलों को निर्यात सब्सिडी का मुद्दा पिछले सप्ताह ही सुलझा है।

दैनिक जागरण

19/2/14